

Ph.D Programme

Outcome – (परिणाम)

- साहित्य की विभिन्न शाखाओं में शोध करना
- ज्ञान विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को साहित्य पर लागू कर शोध के नवीन आयामों को प्राप्त करना
- वर्तमान अनुसंधान और अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण
- समस्याओं से निपटने और सुलझाने की क्षमता का निर्माण
- अंतरशासकीय अध्ययन करना
- शोध का आलोचनात्मक विश्लेषण
- डॉक्टरेट अध्ययन आपको वैज्ञानिक तरीकों और सिद्धांतों का ज्ञान प्रदान करते हैं जो आप उपयोग करते हैं और आगे विकसित होते हैं। अपनी पढाई पूरी होने पर, आप एक ऐसे स्तर पर पहुँच गए होंगे जहाँ आप प्रासंगिक समस्याओं और मुद्दों, विश्लेषण, प्रक्रिया और प्रणालीगत डेटा तैयार करने के साथ-साथ पिछले वैज्ञानिक परिणामों की तुलना करके अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे। डॉक्टरेट अध्ययन आपको समस्याओं के विश्लेषण और प्रसंस्करण का एक वैज्ञानिक तरीका और एक गहरी विषय-उन्मुख समझ प्रदान करता है।

Pedagogy

- प्रारंभ में कोर्स-वर्क पूरा करना
- कोलोक्युयम
- स्वतंत्र रूप से शोध प्रविधि को अपनाकर अपने शोध विषय पर कार्य करना
- सर्वेक्षण
- फिल्ड वर्क
- साक्षात्कार
- यात्राएं
- लेखकों तथा कवियों, विद्वानों से मुलाकात
- अध्ययन
- सेमिनार में आलेख प्रस्तुति
- शोधालेख की प्रस्तुति
- विषय पर गहन अध्ययन, मनन चिंतन
- प्रबंध लेखन और प्रस्तुतिकरण
- खुली मौखिकी

Ph. D Course Work

Syllabus

Ph. D Course Work Syllabus

Paper-I

शोध प्रविधि (Research Methodology)

Marks – C1 -15 C2 -15 + C3-70 = 100

Duration of Examination 3 Hours

Outcome – (परिणाम)

- साहित्य का गहन ज्ञान और अपने स्वयं के अनुसंधान के लिए लागू वैज्ञानिक तरीकों और तकनीकों की व्यापक समझ
- ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम होने के साथ-साथ, उनके क्षेत्र में ज्ञान बनाने और व्याख्या करने के लिए अनुसंधान का उपयोग कैसे किया जाता है, इसकी व्यावहारिक समझ
- वर्तमान अनुसंधान और अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण
- समस्याओं से निपटने और सुलझाने की क्षमता का निर्माण
- अनुसंधान की योजना और कार्यान्वयन में स्वायत्त रूप से कार्य करने में सक्षम होना।
- मौखिक प्रस्तुति और वैज्ञानिक लेखन कौशल प्राप्त करना
- शोध की क्षमता का निर्माण, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता का निर्माण, विषय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण

Pedagogy -

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन की गतिविधियाँ
- सेमिनार, असाइनमेंट

Unit -1 इकाई - 1 अनुसंधान- परिभाषा और स्वरूप, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान का महत्व, अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग, अनुसंधान और आलोचना, अनुसंधान और चिंतन

Unit - 2 इकाई - 2 अनुसंधान या शोध के सोपान, अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान के अधिकारी कौन, अनुसंधान की प्रक्रिया और प्रविधि, अनुसंधान और निर्देशक, निर्देशक के गुण, विषय

निर्वाचन, शोध की रूपरेखा, शोध सामग्री, शोध लेखन और ग्रंथन, शोध प्रबंधन का पुनरावलोकन एवं संपादन, शोध प्रबंध का मुद्रण एवं प्रस्तुति, प्रबंध परिक्षण और मौखिकी तुलनात्मक अध्ययन क्या है, तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप, तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य और प्रयोजन, तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता, तुलनात्मक अध्ययन का महत्व

Unit – 3 इकाई - 3 तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धान्त। तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएं, तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ, पाठानुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान, भाषावैज्ञानिक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान, हिंदी अनुसंधान की प्रगति

Unit – 4 इकाई – 4 अनुसंधान में कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग तथा सांख्यिकीय अनुशीलन, हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक किए गए अनुसंधान का इंटरनेट पर सर्वेक्षण, अनुसंधान में कंप्यूटर का उपयोग

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्यातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. अनुसंधान पद्धति की विवेचना- डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर अनुसंधान के मूल तत्व, आग्रा विश्वविद्यालय, आग्रा
3. शोध प्रविधि - विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. अनुसंधान की समस्याएं, डॉ. ओम प्रकाश, आर्य बुक डेपो, करोल बाग, नई दिल्ली
5. अनुशीलन शोध विशेषांक, भारतीय हिंदी परिषद, अलाहाबाद विश्वविद्यालय, अलाहाबाद

Paper-II

Review of Literature in Area of Research

अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित साहित्य का शोधाध्ययन

Marks – C1- 15. C2- 15. Viva voce – 10 Review of literature 60

परिणाम

- शोधाध्ययन के विषय के विश्लेषण की समझ निर्माण करना
- शोध कार्य करने की क्षमता का निर्माण करना

शिक्षण प्रक्रिया

- चर्चा परिचर्चा
- प्रस्तुति
- सेमिनार

- प्रत्येक शोधार्थी के लिए नियत समय के अंतर्गत अपने अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित साहित्य का शोधाध्ययन में दो सेमिनार देने होंगे।

In this paper a candidate has to opt literary form related to his/her research area/ topic and study entirely and Present documentation and seminar paper.

उक्त पेपर में प्रत्येक छात्र को अपने अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित विषय को चुनना होगा और उस विषय का समग्र अध्ययन करना होगा। उसी विषय पर शोधसामग्री तैयार करनी होगी और अपने विषय पर आलेख प्रस्तुत करना होगा।

.....